म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का त्रैमासिक न्यूज़ लेटर

जैव प्रौद्योगिकी

अंक - 09 अक्टूबर 2013

संपादकीय

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अत्यंत तीव्र गति से विकास हो रहा है। ऐसी संभावना व्यक्त की जा रही है कि यह क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शोध एवं विकास की अधोसंरचना की उपलब्धता, प्रशिक्षित मानव संसाधन एवं किफायती दर पर उत्पादन इत्यादि के तुलनात्मक लाभ की दृष्टि से देश का जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने में सक्षम है। भारत विश्व के 12 शीर्षस्थ जैव प्रौद्योगिकी गन्तव्य स्थलों में शामिल है। ऐसा अनुमान है कि वर्ष 2017 तक बढ़ती मांग, कान्ट्रेक्ट सेवाओं तथा शोध एवं विकास की वृद्धि इत्यादि से इस क्षेत्र में राजस्व प्राप्ति लगभग 11.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर होगी।

जैव प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास की दृष्टि से इसमें पूंजी निवेश अत्यन्त आवश्यक है। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जैव प्रौद्योगिकी में पूंजी निवेश के लिये जैव प्रौद्योगिकी पार्को की स्थापना एक महत्वपूर्ण माध्यम है। जैव प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना का मुख्य उद्देश्य छोटे एवं मध्यम वर्ग के उद्यमियों को प्रोत्साहित करना है। प्रायोगिक अनुसंधान के अभाव में सामान्यतः उद्यमी जोखिम लेने को तैयार नहीं होते हैं। इसी के दृष्टिगत भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नॉलजी (डी.बी.टी.), नई दिल्ली द्वारा बायोटेक्नॉलजी पार्क एवं बायोटेक इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना हेतु अच्छी पहल की गई है। इससे बायोटेक स्टार्टअप कम्पनीज़ एवं बायोटेक पार्क की स्थापना हेतु जन-निजी भागीदारी को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। बायोटेक पार्क की स्थापना का कार्य कई राज्यों में प्रगतिरत/प्रस्तावित है। इसमें आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, पंजाब, उत्तराखंड, ओडिशा, राजस्थान, दिल्ली इत्यादि सम्मिलित है। म.प्र. शासन द्वारा इंदौर में जन-निजी भागीदारी अंतर्गत बायोटेक्नॉलजी पार्क की स्थापना प्रस्तावित है। इन पार्कस की स्थापना में लगभग रु. 1500 करोड़ का निवेश संभावित है। बायोटेक्नॉलजी पार्क शिक्षण संस्थाओं, शोध संस्थाओं एवं उद्योगों के बीच परस्पर संबंध विकसित करने में सहायक होंगे। इनकी स्थापना रोज़गार के नये अवसर उपलब्ध कराने एवं आर्थिक विकास में सहायक होगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल

संरक्षक
राजेश राजोरा
प्रमुख सचिव
म.प्र. शासन
जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग,
भोपाल

संपादक
वी.एन. पाण्डेय
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद,
भोपाल

सह संपादक
अमीता कुशवाह
सलाहकार
म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद,
भोपाल

संपादक मंडल
जैनेन्द्र कुमार जैन
प्रबंधक (वित्त/प्रशासन)
जितेन्द्र नारायण
वरिष्ठ शोधकर्ता
नेहा सक्सेना
वरिष्ठ शोधकर्ता